MESSAGES FROM LOK SABHA

(i) **The Appropriation (Railways) Bill**, 2009.

(ii) **The Appropriation (Railways) No.2 Bill**, 2009

(iii) **The Appropriation (Railways) Vote on Account Bill**, 2009

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following messages received from the Lok Sabha, signed by the Secretary-General of the Lok Sabha:-

(I)

In Accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Appropriation (Railways) Bill, 2009, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 19th February, 2009.

2. The Speaker has certified that this Bill is a Money Bill within the meaning of article 110 of the Constitution of India.

(II)

In Accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Appropriation (Railways) No. 2 Bill, 2009, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 19th February, 2009.

2. The Speaker has certified that this Bill is a Money Bill within the meaning of article 110 of the Constitution of India.

(III)

In Accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Appropriation (Railways) Vote on Account Bill, 2009, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 19th February, 2009.

2. The Speaker has certified that this Bill is a Money Bill within the meaning of article 110 of the Constitution of India.

Sir, I lay a copy each of the Bills on the Table.

श्री उपसभापति : चतुर्वेदी जी, आप बोलिए। आपकी पार्टी के 20 मिनट बचे हैं और अभी 3 मेंबर्स ने बोलना है ....(व्यवधान)

———————

INTERIM BUDGET (RAILWAYS) 2009-10 (CONTD.)

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी (राजस्थान) : माननीय उपसभापति जी, आपने मुझे इस अंतरिम रेलवे बजट पर बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। 13 फरवरी को माननीय मंत्री महोदय ने बजट प्रस्तुत किया था। हमारी संस्कृत में एक सुभाषित है – "प्रथमो ग्रासो मक्षिका पातः" - अर्थात् पहले ही ग्रास में मक्खी आ जाए। एक तरफ मंत्री जी भाषण कर रहे थे और दूसरी तरफ विजयवाड़ा एक्सप्रेस उलट रही थी, उसी समय एक और एक्सीडेंट हुआ, जिसमें कई लोग मारे गए। मंत्री महोदय कह

सकते हैं और वे कहेंगे कि इससे संख्या कम हो गई, यह तर्क नहीं है। आज टेक्नोलॉजी बहुत अधिक डेवलप हो गई है, सब प्रकार के साधन उपलब्ध हो गए हैं, अब तो एक्सीडेंट्स शून्य पर पहुंच जाने चाहिए। संस्कृत में सुभाषित तो "प्रथमो ग्रासो मक्षिका पातः" है, लेकिन यहां तो "द्वितीय ग्रासो मक्षिका पातः" भी हो गया। जब मंत्री जी भाषण कर रहे थे, उस समय राजस्थान में ASM की परीक्षा हो रही थी, साढ़े चार लाख रुपए में पेपर बिक रहे थे। इस केस में 85 लोग गिरफ्तार किए गए, जिनमें से तीन-चौथाई लोग एक विशेष प्रदेश के थे। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि यह भ्रष्टाचार का नंगा नाच क्यों हो रहा है? आप इस बात की जल्दी से जल्दी जांच करवाइए क्योंकि बिना रेलवे अधिकारियों की मिलीभगत के यह नहीं हो सकता है। इन दोनों बातों का जिक्र मैंने इसलिए किया कि कई बातें करना ठीक है, लेकिन भ्रष्टाचार की कमी किस सीमा तक की जाए, इस तरह हो रहे भ्रष्टाचार पर कैसे लगाम लगाई जाए, इस ओर आप ध्यान दीजिए। आप इस बात पर भी ध्यान दीजिए कि accidents में कैसे कमी की जाए। मुझे स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी का एक दृश्य याद आता है। उन्होंने एक उदाहरण पेश किया था, अब वह शायद पुराण की कथा हो गई हो, पुरानी घटना हो गई हो। कितना अच्छा होता कि इन पांच वर्षों की अवधि में हमें जिस प्रकार के दृश्य accidents के माध्यम से देखने के लिए मिले हैं, एक बार भी कहीं मंत्री महोदय कह देते कि मैं भी लाल बहादुर शास्त्री जी के पदचिन्हों पर जाता हूँ, इस नाते से कदम बढ़ाने की कोशिश करता हूँ।

उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूँ कि रेलवे काफी पैसा कमाया है। रेल मंत्रालय की क्षमता को, जो बहुत नीचे थी, बढ़ाने का प्रयास किया है। इसके लिए वे बहुत बधाई के पात्र हैं। उन्होंने रेल वैगनों में अधिक माल ढुलाई और खाली वैगनों पर रियायत देकर freight charges में काफी वसूली की है। इसके लिए भी वे बधाई के पात्र हैं। मैं एक निवेदन करना चाहता हूँ, जिसका जिक्र शिवानन्द तिवारी जी ने भी किया है कि राजस्व कमाने की अति महत्वाकांक्षा के कारण अति दोहन से कहीं तंत्र न टूट जाए। आप भी यहां विराजे हुए हैं। मैं बताना चाहता हूँ कि मुरैना का ब्रिज ऐसी हालत में है कि कहीं यह सुनने को न मिले कि वहां बहुत बड़ा accident हो गया और इसको देखने का मौका मिले। जिस नाते आप axle load बढ़ाने की चर्चा करते हैं, उस नाते आप इसके तंत्र को भी मजबूत करते चले जाइए।

उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय को कुछ और बात भी कहना चाहता हूँ। उन्होंने यह कहा है कि रेलवे के कायाकल्प का फायदा देश की जनता को मिला है। रेल fare में एक रुपया, दो रुपए की कमी भी की है, किन्तु मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि आप इसका मूल्यांकन करें कि रेल से यात्रा करने वाले यात्रियों का जो प्रतिशत है, वह सड़क और हवाई मार्ग से यात्रा करने वाले यात्रियों से निरंतर घट रहा है। जब कि किराए में कमी हो गई ..(व्यवधान)..

श्री राजनीति प्रसाद (बिहार) : यह प्रतिशत घट नहीं रहा है, बल्कि बढ़ रहा है ..(व्यवधान)..

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : मैं चाहता हूँ कि इस संबंध में आंकड़े प्रस्तुत किए जाएं। बीच में बोलने से मैं क्या करुंगा ..(व्यवधान)..

श्री उपसभापति : उनको बोलने दीजिए, आप चेयर को address कीजिए।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : उपसभापति महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूँ और specific बात कह रहा हूँ कि सड़क और हवाई मार्ग से यात्रा करने वाले यात्रियों की तुलना में रेल से यात्रा करने वाले यात्रियों का अनुपात घट रहा है। यह इस बात का द्योतक है कि लोगों की रुचि जिस परिमाण में रेल की तरफ होनी चाहिए थी, वह नहीं है।

उपसभापति महोदय, अब मैं बजट की मुख्य बातों पर आता हूँ। मैं कहना चाहता हूँ कि पिछले चार वर्षों में राजस्थान के साथ जैसा घोर अन्याय किया गया, वह घोर अन्याय अभी तक चालू है। वहां तीन पुरानी परियोजनाएं चल रही हैं। उनमें से दो के बारे में कहा गया है कि जयपुर-बांदीकूई और रेवाड़ी से अलवर

दोहरीकरण का कार्य स्वीकृत कर दिया गया है। यह कार्य किस लिए स्वीकृत किया गया है? सर्वे के बाद क्या होता है, क्या आपको इसकी जानकारी है? Standing Committee में सदस्य होने के नाते इसकी जानकारी मुझे भी है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि जो पुरानी स्वीकृति हुई थी, सर्वे के बाद एक साल, दो साल हो गए, लेकिन उस पर कुछ भी काम नहीं हुआ है। नए सर्वेक्षण में रींगस-डीडवाना वाया खाटूश्यामजी और समदड़ी-फलौदी की चर्चा है। भगवान जाने कि sanction कब होगा और काम कब शुरू होगा ! किन्तु माननीय मंत्री महोदय, what are the necessities of Rajasthan? उनमें से Important कौन सी है, किसकी सर्वे का काम पहले तय करना चाहिए या नहीं करना चाहिए, यह विचार नहीं किया गया। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि जयपुर-मालपुरा-केकड़ी-भीलवाड़ा-नाथद्वारा रेल मार्ग राजस्थान का lifeline है, जिसके सर्वे की आवश्यकता है। फलौदी-नागौर-सीकर-नीमकाथाना-अलवर राजस्थान की दूसरी lifeline है। देश और प्रदेश की सुरक्षा की दृष्टि से जैसलमेर-बाड़मेर-जालौर का सर्वे किया जाना चाहिए। हमारे यहां दो सर्वे किए जा चुके हैं। मेरा धन्यवाद है, किंतु कम से कम इसे तो देखने की आवश्यकता है। मैं आरोप लगाना चाहता हूं और कहना चाहता हूं - शायद माननीय मंत्री महोदय व्यस्त हो गए हैं बातों में। तो मैं कहना चाहता हूं कि रेलवे के विकास का एक समग्र दृष्टिकोण होना चाहिए। चालीस-पचास वर्षों की योजना बनाकर What is the necessity of the country? What is the necessity of every State? एक प्रोजेक्ट बनाया जाना चाहिए। Priorities तय होनी चाहिए। उन priorities के हिसाब से काम होना चाहिए, वरना जब देखेंगे, तब मधेपुरा दिखाई देगा या बिहार दिखाई देगा, उसी के दर्शन होंगे, मुझे तो बहुत आश्चर्य की बात लगती है। मैं तो कहना चाहता हूं कि अगर यह समग्र दृष्टिकोण आप रखेंगे, तो हर स्टेट को पता होगा कि मेरा नंबर कब आने वाला है नई रेल के लिए, दोहरीकरण के लिए कब नंबर आने वाला है, इलेक्ट्रिफिकेशन के लिए कब नंबर आने वाला है, आमान परिवर्तन के लिए कब नंबर आने वाला है। इसलिए मेरी अपील है, आपसे निवेदन है कि एक समग्र दृष्टि करके इस प्रकार के सारे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने की कृपा कीजिए।

महोदय, राजस्थान को एक इंच भी नई रेल नहीं दी गई है। हां, प्री-फीज़िबिलिटी और विस्तृत सर्वेक्षण के नाम पर मकड़-जाल में घुमाया जा रहा है। मैंने प्रश्न किया था, जिसके उत्तर में बताया गया कि बर-बिलाडा, फलौदी-नागौर लाइन एक वर्ष पहले रेलवे बोर्ड के विचारार्थ प्रस्तुत कर दी गई है। मैं पूछना चाहता हूं, मैं तो कहना चाहता हूं आपसे कि जो नए काम हुए हैं, नई रेल का निर्माण नंबर एक, दोहरीकरण नंबर दो, इलेक्ट्रिफिकेशन नंबर तीन, आमान परिवर्तन नंबर चार, जो नव-निर्माण के कार्य हैं, पिछले पांच साल का लेखा-जोखा, फिज़िकल और फाइनेंशियल ड्रिफ्ट थे, कितना-कितना पैसा लगा और कितना-कितना काम हुआ, इसको कृपया सदन को बताइए। मेरा तो आरोप है कि सब चीज़ों में लेट हुआ है। कहीं समयबद्धता नहीं हुई, कहीं चिंता नहीं की गई। जिसका उपयोग जनता के लिए होना चाहिए, उस दृष्टि से करने की कोशिश नहीं की गई। मैं तो बार-बार यहां भी निवेदन करता रहता हूं। बूंदी-नसीराबाद, पुष्कर-मेड़ता, निवाई-टोंक-देवली, बीच में ऐसे ज़िले हैं, जहां रेल नहीं है। यह तो राजस्थान की लाइफलाइन है, जिसकी ओर सकारात्मक कार्यवाही करने की कृपा करें, ऐसा मेरा आपसे निवेदन है। ..(समय **की घंटी**).. मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं, मैंने स्वयं अपनी आंखों से देखा है, आपने अपने भाषण में नंबर 9 पर नेशनल प्रोजेक्शन की चर्चा की है और कहा गया कि हम उधमपुर तक पहुंच गए हैं और कश्मीर में ऊपर भी पहुंच जाएंगे। But the most important part of it. मैं बताना चाहता हूं माननीय मंत्री महोदय को कि आप इसकी चिंता करें और समझें और वह है ऊधमपुर-कटरा-काजीगुण्ड। पिछली जुलाई में, आज से सात महीने पहले रेलवे बोर्ड से एक फरमान चला गया - काम बंद कर दो। सात महीने से काम बंद है। ग्यारह सौ करोड़ रुपया खर्च हो चुका है। क्यों बंद किया गया ? कहा गया कि नया सर्वेक्षण करेंगे, नई रेल लाइन का alignment बदलेंगे, सात महीने से विचार हो रहा है। छः महीने काम बंद होने के कारण कर्मचारी सेवा-मुक्त हो गए हैं, कई करोड़ों की मशीनें बेकार पड़ी हैं। कब होगा नया सर्वेक्षण? नया alignment कब होगा? यह इम्पॉर्टेंट प्रोजेक्ट है। एन.डी.ए. सरकार के समय देश में लाया गया था। सारा कश्मीर देश से join हो जाए, एकाग्रता के दर्शन हों, ऐसी मंशा थी और मैं most

important बात की चर्चा कर रहा हूं। मैं चाहता हूं माननीय मंत्री महोदय अपने जवाब में इस बात को अवश्य बताएं और फिर एक बात और बताएं। अगर पुराना alignment गलत था, तो वह किसने बनाया था? पैसा किसने दिया? कौन अधिकारी हैं? उनके विरुद्ध क्या action किया गया? और अब नया alignment गलत नहीं होगा, इसकी क्या गारंटी है? दूसरी महत्वपूर्ण योजना, नेशनल प्रोजेक्ट के नाते उत्तर-पूर्व के प्रदेशों में की है। एक बात के लिए मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं कि अगरतला रेल से जुड़ गया है। किन्तु माननीय मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि 1996-97 में इस उत्तर-पूर्व के क्षेत्र में दस नए काम और पांच आमान परिवर्तन तय हुए थे। उनका क्या हुआ? लक्ष्य बदले जा रहे हैं। अभी माननीय सदस्य ठीक ही कह रहे थे। एक तरफ चीन ल्हासा तक रेल मार्ग बना चुका है और उसमें से अरुणाचल की सीमा तक रेल लाइन का निर्माण करने जा रहा है और हमारे यहां कभी कहा जाता है कि भूमि अवाप्ति नहीं हो रही है, कभी कहा जाता है कि कानून की अव्यवस्था है, कभी कहा जाता है कि धनाभाव है इसलिए नहीं बनाया जा रहा है।

श्री राजनीति प्रसाद : सर, हमारे यहां कश्मीर में भी रेल ..(व्यवधान)..

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि दो नेशनल प्रोजेक्ट्स हैं जो देश की लाइफ-लाइन हैं। उनकी प्रगति के साधन हैं। इनमें समयबद्ध तरीके से काम करवाइए, यह मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं।

श्री उपसभापति : अब समाप्त कीजिए।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : सर, मैं थोड़ी सी चर्चा इस बात की भी करना चाहता हूं कि जैसे राजस्थान की उपेक्षा हो रही है, उसी तरह उड़ीसा और झारखंड की भी स्थिति ऐसी ही है। ये तो नक्सलवाद से प्रभावित राज्य हैं। अगर रेलें पहुंच गयीं तो इन्हें बहुत फायदा होगा। लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि यहां का कार्य कब पूर्ण होगा, इसकी कोई जानकारी नहीं दी गयी है। उँचा रिटर्न हैं, छोटी-छोटी रेलवे लाइनें हैं जो पूरी की जा सकती हैं, इनका उपयोग हो सकता है, पैसा आ सकता है, नयी रेलवे लाइन खड़ी..(व्यवधान).. किन्तु ऐसा लगता है कि बिहार के रहने वालों को दूर दृष्टि में राजस्थान तो नहीं दिखता, आँख के नीचे उड़ीसा और झारखंड हैं जो बहुत नज़दीक हैं, वे भी दिखाई नहीं देते। माननीय मंत्री महोदय ने बुलेट गाड़ी की चर्चा की, उसके लिए मैं उन्हें बहुत बधाई देता हूं लेकिन मैं आपसे पूछना चाहता हूं..(व्यवधान)..

श्री उपसभापति : चतुर्वेदी जी, आपके जो दूसरे दो colleagues हैं, उनका पूरा समय आप ले रहे हैं। कल अगर उनको टाइम नहीं मिला तो चेयर के ऊपर कोई एतराज़ नहीं कीजिएगा।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : केवल दो मिनट में समाप्त करूंगा।

श्री उपसभापति : आप जल्दी कीजिए क्योंकि फिर आपकी पार्टी का पूरा समय समाप्त हो जाएगा।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : मैं कहना चाहता हूं कि बुलेट गाड़ी की सबसे बड़ी आवश्यकता दिल्ली से जयपुर-अजमेर है। यह पर्यटन का बड़ा महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। कृपया इस नाते से भी इस ओर ध्यान देने की कृपा करें।..(व्यवधान)..

श्री रुद्रनारायण पाणि : महोदय ..(व्यवधान)..

श्री उपसभापति : पाणि जी, आप उनका समय बर्बाद कर रहे हैं।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : महोदय, पिछले भाषणों में माननीय मंत्री महोदय ने सुपरफास्ट गाड़ियों में जनरल कोचेज़ की संख्या 2 से बढ़ाकर 6 करने की, 18 कोचेज़ से बढ़ाकर 24 करने की, नए डिज़ाइन के कोचेज़ की संख्या बढ़ाने की तथा प्लेटफार्मों का आकार बढ़ाने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक उसकी सूरत दिखायी नहीं देती। शौचालय की सफाई, महत्वपूर्ण गाड़ियों में डाइनिंग कार की व्यवस्था, केटरिंग का गिरता हुआ स्तर और आरक्षित कोचों में फेरी वालों का आम घूमना यथावत है। सीटों के आवंटन में कितना भष्टाचार होता था। इस संबंध में मंत्री जी ने बहुत वादे किए थे। आपने अपने भाषण में भी काफी शेर-ओ- शायरी

की है। मुझे शेर कहने नहीं आते हैं लेकिन एक बात कहना चाहता हूं। ऐसे वादों को निभाइए वरना "वादा तेरा वादा, वादे पे तेरे मैं मर गया, बन्दा मैं सीधा सादा।" कृपया ऐसा मत करिए। कुछ दया करिए...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : अब हो गया। शेर के बाद बोलने में कुछ मज़ा नहीं आता।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : केवल दो मिनट और लूंगा।

श्री उपसभापति : शेर कहने के बाद अब समाप्त कर दीजिए।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : केवल राजस्थान की एक-दो मांगों को रखकर मैं दो मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा।

श्री उपसभापति : दो मिनट पहले थे। अब फिर दो मिनट क्यों कह रहे हैं?

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : मेरा कहना है कि राजस्थान पर्यटन की दृष्टि से बहुत इम्पोर्टेंट है इसलिए आमान परिवर्तन में अहमदाबाद-उदयपुर में पर्याप्त राशि मिले, बड़ी सादडी- मावली-नाथद्वारा-मारवाड़ की नयी स्वीकृति हो, डेगाना-रतनगढ की स्वीकृति जल्दी हो, सरूपसर से श्रीगंगानगर वाया हनुमानगढ़ के लिए सम्पूर्ण मैटीरियल और प्रावधान की व्यवस्था हो, जयपुर-रिंगस-सीकर-झुन्झूनू-लुहारू-सीकर-चुरू की स्वीकृति और मैटीरियल की व्यवस्था हो तथा धौलपुर-सरमथुरा नेरोगेज की स्वीकृति हो।

श्री उपसभापति : आप पत्र लिखकर भेज दीजिए।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : सर, पत्र तो इतने लिखता हूं जिसका कुछ कहना ही नहीं है।

श्री उपसभापति : आप यहां से लिखिए। चेयर के डायरेक्शन पर भेजो।

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : सर, मुझे एक फिल्मी गीत याद आ गया है ...(व्यवधान)...

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : मंत्री जी, मेरे दो मिनट मत लीजिए।

श्री उपसभापति : वे फिल्मी गीत बोलेंगे।

श्री लालू प्रसाद : आधा-अधूरा फिल्मी गीत याद आ गया है। "मैं इक बुत बनाउंगा और तेरी पूजा करूंगा" बाकी रहा तो दूजा भी करूंगा!

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : मैं यही तो कहना चाहता हूं कि आप पूजा छोड़िए, मुझे आरती करने दीजिए पर कम से कम...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : चतुर्वेदी जी, अब समाप्त कीजिए।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : सर, विद्युतीकरण के संबंध में कहना चाहता हूं कि दिल्ली- अजमेर वाया रेवाड़ी-अलवर-बांदीकूई-जयपुर-फुलैरा, रेवाड़ी-रिंगस-फुलेरा, जयपुरस वाईमाधोपर, बांदीकूई-आगरा, अजमेर-चित्तौड़गढ़-उदयपुर, चित्तौड़-बूंदी-कोटा...(व्यवधान)...

श्री **उपसभापति :** श्री विजय जवाहरलाल दर्डा। ...(व्यवधान)... प्लीज, हो गया। मैंने नेक्स्ट वक्ता को कॉल कर लिया है।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : सर, मैं तो बिंदुओं में बोला हूं। मैं रिपीट नहीं कर रहा हूं।

श्री उपसभापति : आपने पूरा समय ले लिया। अब कोश्यारी जी क्या बोलेंगे ?

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा (महाराष्ट्र) **:** सर, अपने हाउस में एक बात तय कर लीजिए कि जब माननीय सदस्य एक बार शेर बोल ले, उसके बाद उसको नहीं बोलना चाहिए।

श्री उपसभापति : वही, मैं बता रहा हूं कि शेर आखिरी होता है। ...(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : सर, लालू जी के भाषण में दस शेर हैं। ...(व्यवधान)...

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा : धन्यवाद उपसभापति महोदय। मैं लालू जी के बारे में कुछ अच्छी बातें कहना चाहूंगा। अगर मुझे शिवानन्द तिवारी इजाजत दे दें, तो मुझे बहुत खुशी होगी, क्योंकि वह मेरे कुलीग हैं और उनके रहते हुए, मैं उनकी इजाजत लेना पसन्द करूंगा। मैं आपका तहे दिल से अभिनंदन करना चाहता हूं। आपका अभिनंदन इसलिए करना चाहता हूं कि आपने रेलवे को सारे विश्व के अंदर सम्मानित किया। आपने हमारे तिरंगा को सम्मानित किया और इसलिए मैं आपका तहे दिल से अभिनंदन करता हूं। सरकारें आती हैं, सरकारें जाती हैं, मंत्री आते हैं, मंत्री जाते हैं, किन्तु आपने जो भारतीय रेल को एक दिशा दी है, जिसको लोगों ने बेचने के लिए निकाल दिया था। मुझे मालूम नहीं है कि श्री कलराज मिश्र जी ने कहां से statistics और कहां से कौन-कौन सी चीजें निकालीं। मैं सिर्फ यह कहना चाहूंगा कि मुझे आपको जापान में देखने का मौका मिला। मैं कभी यह नहीं समझा कि जापान के अंदर, जापान के लोगों में भी आपके लिए इतना क्रेज होगा। जिस सम्मान के साथ जैपनीज़ लोगों ने आपका स्वागत किया, वहां के मंत्रियों ने आपका स्वागत किया, वहां के युवकों ने आपका स्वागत किया, वहां की महिलाओं ने आपका स्वागत किया, यह देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। मुझे निश्चित रूप से इस बात की भी खुशी है कि जापान से लौटने के बाद में निश्चित रूप से आपके मन में भी कई विचार जागे हैं। ...(व्यवधान)....

श्री शिवानन्द तिवारी : बिहार में खतरा है। ...(व्यवधान)....

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा : मैं बिहार की राजनीति को यहां पर नहीं लाना चाहता हूं, क्योंकि आप सभी लोग एक हो, कभी यहां, तो कभी वहां हो। किन्तु मैं तो रेल की बात कह रहा हूं और वह भी रेल की बात मैं निष्पक्ष कर रहा हूं, क्योंकि मुझे यह बात कहते हुए तनिक भी संकोच नहीं हो रहा है। लालू प्रसाद जी ऐसे रेल मंत्री बने हैं कि इनके बाद में जो भी उस मंत्री पद को सम्भालेंगे, उनके लिए एक चैलेंज होगा, क्योंकि उन्होंने उसके लिए एक बैंच मार्क पैदा कर दिया है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति में उस देश में बने इन्फ्रास्ट्रक्चर का महत्वपूर्ण योगदान होता है, चाहे वह रेलवे हो, चाहे वह एयरपोर्ट हो, चाहे पोर्ट्स हों और जब तक यह इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं होगा, तब तक उस राष्ट्र की प्रगति होगी या हो सकती है, ऐसा मैं नहीं मानता हूं। इसलिए रेलवे ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। रेल मंत्री जी आपको, आपके तमाम सहयोगियों को, वह आखिरी व्यक्ति जो रेल के अंदर काम करता है, उसको मैं साधुवाद देना चाहता हूं। मैं साधुवाद विशेष रूप से इसलिए भी देना चाहता हूं कि जो घाटे का काम था, वह आपने मुनाफे का कर दिया। सरकारी पीएसयू 90 हजार करोड़ न कभी सुना है, न कभी देखा है, वह आपने कमाल करके दिखाया है, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

मैं आपको एक बात और कहना चाहूंगा कि आपने जो एफिसियंसी और एफिसियंसी के साथ ही प्रोफिटेबिल्टि लाई है, प्रोफिटेबिल्टि लाना एक बात है, उसके साथ आपने एफिसियंसी भी लाई है और विशेष रूप से जब सारा विश्व मंदी की मार झेल रहा है, उस समय भी आपने अंतरिम बजट पेश किया। उसमें भी आपने इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि किसी भी नागरिक को या व्यवसायी को किसी भी प्रकार का कष्ट न हो, इसके लिए भी आपको धन्यवाद। माननीय लालू जी, मैं आपको दो बातों के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा कि विदर्भ और मराठवाड़ा पिछड़ा हुआ इलाका है, वहां पर हजारों किसानों ने आत्महत्याएं कीं हैं। वहां पर अनेक बेरोजगार लोग हैं, जो आत्महत्या करने वाले हैं, उनकी उम्र 25 से 35 वर्ष के बीच में है। आपने स्वयं उस इलाके, यवतमाल, वर्धा और नांदेड़ में 270 किलोमीटर रेल लाइन के लिए भूमि पूजन किया। वहां पर करीब-करीब तीस से चालीस हजार लोग इकट्ठे हुए थे। किसी भी पॉलिटिकल पार्टी के अंदर इस प्रकार स्वतंत्रता से लोग आते-जाते हैं, किन्तु जब आपने भूमि पूजन के लिए बटन दबाया, तो तीस हजार जनता ने खड़े होकर तालियों के साथ आपका स्वागत किया। यह किस बात का द्योतक था, यह इस बात का था कि आपने उनके

लिए विकास के सारे द्वार खोल दिए। उनके लिए विकास, उन्नति और प्रगति के दरवाजे खुल गए। इसके साथ ही आपने यह भी कहा कि यह जो 270 किलोमीटर की लाइन है, जो बापू के सेवा ग्राम से लेकर गुरू गोबिन्द सिंह जी के नान्देड़ तक जाएगी, यह तीन वर्षों में पूरी होगी। इसको तीन वर्षों में पूरा करने लिए जो रेल में काम करने वाले मान्यवर हैं, कर्मचारी हैं, आप उनको पांच लाख रुपए की बख्शीश देंगे। यह सुनकर और देखकर निश्चित रूप से विदर्भ और मराठवाड़ा का जो अविकसित भाग है, वहां के किसानों, नवयुवकों और बेरोज़गारों के अंदर एक प्रकार से उत्साह है। जहां पर आपने यह सब किया है, यह निश्चित रूप से ड्राई बेल्ट थी। आपने एक दूसरी बात और मत्वपूर्ण की है कि विदर्भ के अंदर ही गढ़चिरोली का जो नक्सली बेल्ट है, जो आंध्र के बार्डर से जुड़ा हुआ है, जहां पर हाल ही में करीब-करीब 22 पुलिस कर्मचारियों को मार दिया गया था। हमारे यहां के मुख्य मंत्री ने भी उस इलाके के अंदर, एक कार्यक्रम के अंदर आप से विशेष विनती की थी और हमने भी आप से विनती की थी कि वर्सा-देसाईगंज, आरमोरी और गढ़चिरोली के लिए पचास किलोमीटर की लाइन डाल दें, ताकि नक्सली भाग से लड़ाई लड़ी जा सके तथा वहां के लोगों को सुविधा हो सके। इसके लिए महाराष्ट्र सरकार और रेल मंत्रालय दोनों मिलकर, आधा-आधा शेयर करने की बात हुई थी। मैं आपको सिर्फ स्मरण दिलाना चाहूंगा कि आप इस ओर ध्यान देकर, इसे जल्दी से जल्दी पूरा करने का प्रयास करेंगे।

मैं, तीसरी बात और कहना चाहूंगा कि इसके लिए मुझे विशेष रूप से वहां के लोगों ने पत्र लिखकर यह कहा कि मैं आपका धन्यवाद करूं, क्योंकि मैंने पिछले बजट सत्र में भी आप से यह मांग की थी कि आप नागपुर से पुणे के लिए गरीब रथ शुरू करें, जो कि आपने शुरू भी किया। जो विदर्भ और महाराष्ट्र की गरीब जनता है, इससे उसको सुखसु विधा मिली है। पहले ऐसी रेल में यात्रा करना एक विशेष प्रकार के लोगों का अधिकार था, किन्तु वे अब सस्ते किराए के अंदर, अपनी डिग्निटी के साथ यात्रा कर रहे हैं। इसके लिए भी आपको साधूवाद, आपको बहुत बधाई। आज वे लोग आराम से सफर कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से मुझे पत्र भेजा है। वह पत्र भी मैंने आपके मंत्रालय को भेजा है और उस पत्र पर करीब पांच हजार लोगों के सिग्नेचर्स हैं। मैं आप से जनता की भलाई तथा उस विभाग के विकास और उन्नति के लिए दो मांगें और करना चाहता हूं। मेरी पहली मांग यह है कि नागपुर भारत का हृदय स्थल है और यहां से जीरो माइल भी शुरू होता है। मेरी आप से यह विनती है कि वहां पर एक ऐसी जगह है, जहां पर दो डिविज़न्स हैं। एक डिविज़न सैन्ट्रल रेलवे का है और दूसरा SECR का डिविज़न है। इन दोनों डिविज़न को मिलाकर और नान्देड़ के डिविज़न को मिलाकर, एक नया डिविज़न शुरू करवाइए।

नया डिवीजन शुरू होने से जोनल मैनेजर के पद का व्यक्ति वहां बैठ सकेगा...(व्यवधान)...जोन बनाने से यह लाभ होगा। वहां पर रेलवे रिक्रूटमेंट की भी व्यवस्था होगी, जिसकी वजह से लोगों को भी काम मिल सकेगा। विशेष रूप से प्रशासनिक दृष्टि से लाभ होगा, क्योंकि आज सी.आर. रेलवे के पास करीब 885 किलोमीटर रेल लाइन है और एस.सी.आर. के पास करीब 700 किलोमीटर की रेल लाइन है। यह मुनाफे का डिवीजन है। अगर वहां पर ज़ोन बन जाता है तो कोल वगैरह से उनको काफी आमदनी होगी। इस प्रकार यह महाराष्ट्र की, विशेषकर विदर्भ के लोगों की इच्छा है कि अगर यह बन जाता है तो इसका बहुत फायदा होगा। तीसरी बात, मैं आपके सामने यह रखना चाहूंगा कि हाल ही में आपकी जापान यात्रा हुई और आपने जापान यात्रा के दौरान देखा कि वहां पर किस प्रकार से बुलेट ट्रेन बनाई जाती है। कावासाकी हेवी इंडस्ट्रीज की फैक्ट्री का अपने मुआयना किया। आपने बुलेट ट्रेन के अंदर प्रवास किया और देखा कि करीब डेढ़ सौ बुलेट ट्रेन्स वहां पर चलती हैं। चालीस वर्ष में एक मिनट का भी टोटल डिले नहीं है और न ही एक्सीडेंट्स हैं। सुरक्षा की दृष्टि से वे लोग काफी ध्यान रखते हैं। आपने यह भी अच्छी तरह से देखा कि वे लोग सिक्योरिटी की दृष्टि से किस ढंग से काम करते हैं। आपने उनके प्लेटफॉर्म्स बहुत बारीकी से देखे, मेरे ख़याल से आपको ये बहुत पहले देख लेने चाहिए थे। अगर देख लिए होते तो मुझे ऐसा लगता है आज आप जो इतने बदलाव लाए हैं, इन्हें आप और गतिमान ढंग से ला सकते थे। मैं आपसे कहना चाहूंगा, चूंकि आपने अर्थ संकल्प के अंदर इसकी घोषणा की है कि दिल्ली, चंडीगढ़, मुंबई, अहमदाबाद वगैरह में आप बुलेट ट्रेन चलाने वाले हैं, मेरी यह मांग है कि नागपुर, जो सेंट्रल इंडिया का ही है, आप वहां पर बुलेट ट्रेन का मुख्य कार्यालय नागपुर में बनाएं।

जैसाकि जापान में नागोया में उन्होंने उसका केंद्र बनाकर रखा है। इस प्रकार से यदि आप नागपुर में उसका केंद्र बनाएं तो यह मैनेजमेंट की दृष्टि से, चारों तरफ शुरू करने की दृष्टि से बहुत अच्छा कदम होगा। आपसे रिक्वेस्ट है कि आप इसकी ओर ध्यान दें। लालू जी, आखिरी में मैं यह कहना चाहूंगा कि आपकी जापान यात्रा से कई चीजें हुई हैं। लालू जी का नाम ऐसा हो गया है कि हर चीज के अंदर लालू जी, लालू जी आता है। आज सुबह जब भाषण दे रहे थे, लोग पूछ रहे थे, तो बालू जी को भी लोग लालू जी बोल रहे थे। इतना ही नहीं...(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणि : लालू जी भेदभाव करते हैं, बालू जी नहीं कहना चाहिए...(व्यवधान)...

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा : वे बार-बार बालू जी को भी लालू जी बोल रहे थे...(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणि : आपने ऐसा सुना...(व्यवधान)...आपको ऐसा सुनने को मिला...(व्यवधान)...लेकिन लालू जी जापान गए, वे कार्य करते हैं, कम से कम आज तो ..(व्यवधान)... होगा...(व्यवधान)...कल आपका लास्ट क्वेश्चन ऑवर है...(**व्यवधान**)...Sir, the ailway Minister never came to the House during Question Hour.

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा : पाणि जी इतना पानी बहा देते हैं।

श्री उपसभापति : वे ऐसा करते हैं।

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा : इनकी पॉप्युलेरिटी ऐसी है, ईवन हमारे सदन में भी लोग बालू जी को लालू जी बोल देते हैं, वेलू जी को भी लालू जी बोल देते हैं। यह जो बालू जी, लालू जी और वेलू जी वाला मामला है, यह बढ़ता रहना चाहिए। मिश्रा जी ने जो एक बात कही, वह बड़ी गंभीर बात थी। मिश्रा जी ने कहा कि रेलवे में बहुत हादसे वगैरह होते हैं। इससे मुझे एक पुरानी बात याद आई और यह बड़ी गंभीर बात है कि रेलवे के अंदर, माननीय कलराज मिश्र जी ने बताया था कि रेलवे के अंदर दीन दयाल उपाध्याय जी की रहस्यमय ढंग से मृत्यु हुई है। उसकी आज तक कोई जांच नहीं हुई है। जांच हुई कि नहीं हुई, उनकी सरकार वहां पर थी, किस प्रकार से हुई, क्या हुआ, आज तक कुछ सामने नहीं आया। मेरे ख़याल से जो इतनी महत्वपूर्ण बात थी, वह राज बनकर, छुप कर रह गई। मुझे ऐसा लगता है कि यह राज भी उजागर होना चाहिए, यह मेरी मांग है। लालू जी, मैं आपको एक बार फिर इस बात के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा कि आपकी कई चीजें काम की की हैं, मैं उन्हें रिपीट नहीं करना चाहूंगा। मैं आपको एक बार फिर धन्यवाद देता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि गरीब जनता के लिए आपने जो कुछ भी किया है, जो भी दर्द आपके दिल में गरीब जनता के लिए है, आप इससे आगे बढ़ें और इसी प्रकार से इस राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए, हमारे तिरंगे को विश्व में सम्मानित करने के लिए हम सभी लोग आपके साथ हैं। धन्यवाद। जय हिंद।

————————

RECOMMENDATIONS OF THE BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

Allocation of time for disposal of Government and other business

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform hon. Members that the Business Advisory Committee in its meeting held on the 19th February 2009, has allotted time for the Government Legislative Business as follows:

	Business	Time Allotted
1.	Consideration and passing of the following Bill:-	
	The Labour Laws (Exemption from Furnishing Returns and Maintaining Registers by Certain Establishments) Amendment and Miscellaneous Provisions Bill, 2005.	2 hours